Liberté • Égalité • Fraternité
RÉPUBLIQUE FRANÇAISE

MINISTÈRE DES AFFAIRES ÉTRANGÈRES ET EUROPÉENNES

DIRECTION GENERALE DE L'ADMINISTRATION
ET DE LA MODERNISATION

DIRECTION DES RESSOURCES HUMAINES

Sous-direction de la Formation et des Concours

Bureau des concours et examens professionnels
RH4B

CONCOURS EXTERNE ET INTERNE POUR L'ACCES A L'EMPLOI DE SECRETAIRE DES AFFAIRES ETRANGERES (CADRE D'ORIENT) AU TITRE DE L'ANNEE 2012

EPREUVES ECRITES D'ADMISSIBILITE

8 septembre – 14 septembre 2011

HINDI

Durée totale de l'épreuve : 3 heures.
Coefficient : 2.
Toute note inférieure à 10 sur 20 est éliminatoire.
Barème de notation des 3 épreuves : QCM 4 points, fiche 10 points, note 6 points.

– QUESTIONNAIRE A CHOIX MULTIPLES –

Réponse à un questionnaire à choix multiples portant sur la grammaire, les structures et les usages de la langue hindie. – ***Durée : 30 minutes.***

Ce dossier comporte 2 pages (page de garde non comprise).

SUJET :

Compléter la grille de réponse distribuée séparément, une seule réponse par question.

QCM : Complétez les phrases suivantes avec l'expression qui convient

(1) मंत्रालय में काम करने वाले सभी अधिकारियों को इस बारे में ....|

- सूचित किए गए - सूचित किया गया - सूचित करे गए

(2) दफ़्तर के सभी कर्मचारी खूब मन लगाकर काम .... इसलिए कंपनी के मालिक उनसे बहुत खुश थे|

- किया करते थे - किए करते थे - करा करते

(3) मीटिंग सुबह जल्दी होने वाली थी| समय पर पहुंचने के लिए .... | पर कोई और चारा भी तो नहीं था!

- हमारे को जल्दी उठना पड़ा - हमें जल्दी उठने पड़े - हमको जल्दी उठना पड़ा

(4) अगर उम्मीदवारों को सफ़ल होना है तो उन्हें रात दिन मन लगाकर काम करना .... |

- पड़ता - पड़ेगा - चाहिए था

(5) चुनावों से पहले नेता जी सभी मज़दूर संघों के प्रतिनिधियों .... और उनसे उनका हालचाल पूछा|

- को मिले - से मिले - से मिल गए

(6) मेरे साथियों को हैरानी है कि इतने दिनों बाद तक भी .... | पता नहीं ऐसा कैसे हुआ !

- उन्हें मेरी ई मेल नहीं मिली - उनसे मेरी ई मेल नहीं मिली - वे मेरी ईमेल से नहीं मिले

(7) अध्यापक के क्लास में घुसने के बाद भी छात्र शोर .... | यह देख उन्हें बड़ा गुस्सा आया !

- मचाए - मचाते रहे - मचाया किए

(8) .... युनिवर्सिटी के पुस्तकालय में जाकर इस अहम विषय पर एक दिलचस्प किताब पढ़ी |

- वे - उन्हें - उन्होंने

(9) बेचारी लंबे समय से बीमार है| उसे जल्दी से जल्दी किसी अच्छे डाक्टर के पास जाना .... |

- होता - चाहिए - पड़ती है

(10) तुमने साल भर मौज-मस्ती में अपना सारा समय बर्बाद कर दिया | तुम्हें ऐसा नहीं करना .... |

- चाहिए होता - चाहिए हुआ - चाहिए था

(11) इस लड़की के पिता नहीं चाहते कि वह अकेले विदेश ....| उन्हें डर है कि वह वहां कैसे रह पाएगी|

- जाएगी - जाती है - जाए

(12) यह अस्पताल अच्छा नहीं है| यहां इन मरीज़ों का ठीक से इलाज नहीं हुआ| देखो, बेचारे .... बचे !

- मरते हुए - मरते मरते - मरने को

(13) हमारे घर से बाहर निकलते ही .... तो हम वापस लौट गए| बच्चे-बड़े सभी का मूड खराब हो गया|

- बारिश होने लगी - बारिश ने होना शुरू किया - बारिश होना शुरू हो गया

(14) काश मैंने ऐसा नहीं .... ! मैं अपने किए पर वाकई बहुत शरमिन्दा हूं ! प्लीज़ मुझे माफ़ कर दीजिए !

- करता - किया होता - करूं

(15) देखो भई, अभी तो मैं अपने दफ़्तर.......... | मेरे पास बिलकुल टाइम नहीं है| मुझे बाद में फ़ोन करना|

- जाता हूं - जा रहा हूं - जाया करता हूं

(16) मंत्री महोदय ने कहा है कि वे तुरन्त उन सभी लोगों से बात करना चाहते हैं .... यह काम किया है|

- जिन्होंने - जिन्हें - उन्होंने

(17)(सरकार की ओर मे जारी संदेश) : अपनी लड़की को स्कूल अवश्य .... | यह कानूनन अनिवार्य है |

- भेजिओ - भेजा कियो - भेजें

(18)अरे देखो तो सही! दिल्ली से मेरे लिए कितना सुन्दर जन्मदिन का तोहफ़ा आया है ! ज़रूर .... |

- पिताजी ने भेजा - पिताजी भेजे होंगे - पिताजी ने भेजा होगा

(19)दिन रात कंप्यूटर पर काम .... मेरी आंखें दुखने लगी हैं| सच कहूं तो मैं इस काम से परेशान हो गई हूं|

- करते करते - करते रहते - किया करते

(20)पार्टी में पहुंचकर हमने पाया कि वहां मौजूद सभी मेहमान आपस में बातें .... | मज़ेदार माहौल था !

- किया करते थे - करते थे - कर रहे थे

(21)अगर आपको कभी पेरिस आने का मौका मिलता है तो हमारे यहां ज़रूर .... | हमें बड़ी खुशी होगी|

- आइयो - आइएगा - आ

(22)ये ज़मीन पर .... किताबें किसकी हैं ? चलो, फ़ौरन इन्हें उठाओ और सामने वाली मेज़ पर रखो!

- पड़ी - पड़ती हुई - पड़ने वाली

(23)बाहर जाने से पहले पानी ज़रूर पीना वरना तुम्हें गर्मी .... | आज बड़ी ज़बरदस्त लू चल रही है|

- लग रही होगी - लगने वाली है - लग जाएगी

(24)किसी ने भी मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया| सब आपस में बातें .... | मुझे यह ज़रा अजीब सा लगा|

- करते रहे - करते रहते थे - करते रहे हैं

(25)सभी को ज़ोरों की भूख लगी थी तो .... पास के रेस्टोरेन्ट में जाकर स्वादिष्ट हिन्दुस्तानी खाना खाया|

- वे सब - उन सब ने - उन सब

(26).......... ज़रा आराम करके फ़िल्म देखने गईं | ये हमेशा से ही हिन्दी फ़िल्मों की बड़ी शौकीन रही हैं !

- ये सब लड़कियां - इन सब लड़कियों ने - सब लड़कियों को

(27)मैं मानता हूं कि यह एक बहुत ज़रूरी मुद्दा है और मैं .... इस बारे में बातचीत करने के लिए तैयार हूं|

- कहीं भी, कभी भी, किसी से भी - कुछ भी, कैसे भी, कोई भी - क्यों भी, किसलिए भी, कोई तरह भी

(28)कल सारे शहर में यातायात के साधनों की हड़ताल थी| सभी लोगों को .... और उन्हें बड़ी मुश्किल हुई|

- पैदल काम पर जाने पड़े - पैदल काम पर जाना चाहिए था - पैदल काम पर जाना पड़ा

(29) ..... दिल्ली का तापमान बढ़ता गया, ... शहर में रह रहे बेचारे विदेशियों की परेशानियां बढ़ती चली गईं|

- जैसे जैसे, वैसे वैसे - जहां जहां, वहां वहां - जो जो, वो वो

(30)हम सब आज शाम छुट्टियां मनाने नैनीताल .... | वहां हफ़्ता भर घूमने-फिरने के बाद दिल्ली लौटेंगे|

- जा रहे हैं - जाते हैं - जाना वाले हैं

Liberté • Égalité • Fraternité
RÉPUBLIQUE FRANÇAISE

MINISTÈRE DES AFFAIRES ÉTRANGÈRES ET EUROPÉENNES

DIRECTION GENERALE DE L'ADMINISTRATION
ET DE LA MODERNISATION

DIRECTION DES RESSOURCES HUMAINES

Sous-direction de la Formation et des Concours

Bureau des concours et examens professionnels
RH4B

CONCOURS EXTERNE ET INTERNE POUR L'ACCES A L'EMPLOI DE SECRETAIRE DES AFFAIRES ETRANGERES (CADRE D'ORIENT) AU TITRE DE L'ANNEE 2012

EPREUVES ECRITES D'ADMISSIBILITE

8 septembre – 14 septembre 2011

HINDI

Durée totale de l'épreuve : 3 heures.
Coefficient : 2.
Toute note inférieure à 10 sur 20 est éliminatoire.
Barème de notation des 3 épreuves : QCM 4 points, fiche 10 points, note 6 points.

– FICHE DE SYNTHESE EN FRANÇAIS –

*Rédaction en **français** d'une fiche de synthèse (350 mots avec une tolérance de plus ou moins 10%) à partir de documents en hindi. – **Durée (note et fiche de synthèse) : 2 heures 30 minutes.***

Ce dossier comporte 5 pages (page de garde non comprise).

*
* *

SUJET : En vous inspirant uniquement des documents ci-joints, vous rédigerez une fiche de synthèse sur le développement de l'industrie du tourisme médical en Inde et les efforts des autorités indiennes pour la promouvoir.

BBC HINDI
11.2.2004

पर्यटकों को लुभाने की कोशिश

पश्चिमी देशों के रहने वाले अब तक भारत आते थे योग और आयुर्वेद का लाभ उठाने.

मगर अब भारत में ऐसे लोगों को भी लुभाने की कोशिश चल रही है जो इलाज के लिए भारत आना चाहते हों.

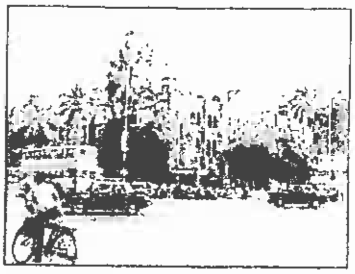

मुंबई में ऐसे अस्पताल हैं जहाँ विश्व स्तर का इलाज होता है

महाराष्ट्र की चिकित्सा पर्यटन परिषद को पूरी उम्मीद है कि जल्दी ही भारत चिकित्सा के लिए आने वाले पर्यटकों की पहली पसंद बन जाएगा.

परिषद का कहना है कि मुंबई में हिंदुजा जैसे अस्पतालों में विश्व स्तरीय चिकित्सा होती है मगर यूरोप और अमरीका जैसे देशों की तुलना में यहाँ ख़र्च बहुत कम होता है.

तुलना

मुंबई के हिंदुजा जैसे अस्पताल को देखा जाए तो उसकी चमक-दमक और साज़ो-सामान लंदन और न्यूयॉर्क की याद दिलाते हैं.

मगर चिकित्सा पर्यटन परिषद ने जो तुलनात्मक सूची तैयार की है उस पर निगाह डालें तो ख़र्च का अंतर साफ़ नज़र आता है.

परिषद की सूची के अनुसार दिल की बीमारी के लिए होने वाले ऑपरेशन में जहाँ पश्चिमी देशों में 50,000 डॉलर देने होते हैं वहीं मुंबई में ये इलाज बस 10,000 डॉलर में हो जाता है.

चिकित्सा परिषद अब एक ऐसे टूर पैकेज निकालना चाहते हैं जिनमें आने-जाने और ठहरने से लेकर इलाज तक का ख़र्च एक ही साथ शामिल है.

योजना

शुरू में परिषद ऐसे विदेशी मरीज़ों को भारत बुलाना चाह रही है जिन्हें अपने देशों में इलाज के लिए निजी अस्पतालों में जाना पड़ता है.

मगर ब्रिटेन जैसे देशों पर भी उनकी नज़र है जहाँ सरकारी अस्पतालों में ऑपरेशन के लिए मरीज़ों को लंबा इंतज़ार करना पड़ता है.

हिंदुजा अस्पताल के मुख्य न्यूरोसर्जन संजय अग्रवाल कहते हैं,"जहाँ भी आप कम कीमत पर बेहतर सुविधाएँ देंगे, अंत में जीत उसी की होगी".

मगर इस सारी योजना से भारत की चिकित्सा व्यवस्था को कितना फ़ायदा होगा अभी ये अनिश्चित है.

ये हो सकता है कि इससे डॉक्टरों और अस्पतालों के साथ-साथ विदेशों से आने वाले मरीज़ों को भी फ़ायदा हो मगर इस लाभ का भारत की चिकित्सा व्यवस्था पर कितना असर पड़ेगा इसमें संदेह है.

2

BBC HINDI 9.7.2005

विदेशियों को मेडिकल वीज़ा देगा भारत

मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने इलाज के लिए आनेवाले विदेशियों को मेडिकल वीज़ा देने का फ़ैसला किया है.

भारत में ऐसे अस्पताल हैं जहाँ विश्व स्तर का इलाज होता है

सरकार का कहना है कि देश के नामी अस्पतालों में इलाज के लिए आनेवाले विदेशियों को इलाज के लिए वीज़ा दिया जाएगा.

यह वीज़ा एक साल से लेकर इलाज की अवधि के ऊपर निर्भर करेगा. साथ ही इस वीज़ा की अवधि को बढ़ाया जा सकेगा.

अभी तक ऐसे लोग पर्यटन वीज़ा पर आते थे जिसे बढ़ाने की व्यवस्था नहीं है.

भारत में मेडिकल पर्यटन को सरकार की ओर से बढ़ावा दिया जा रहा है और इलाज के लिए विदेशियों का आना भी शुरु हुआ है.

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने इस बारे में एक अध्ययन किया था. उसके अनुसार यदि प्रयास किए जाएँ तो मेडिकल पर्यटन पर हर साल 10 लाख लोग तक आ सकते हैं.

भारत की निगाहें ब्रिटेन जैसे देशों पर भी हैं जहाँ सरकारी अस्पतालों में ऑपरेशन के लिए मरीज़ों को लंबा इंतज़ार करना पड़ता है.

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजीव मलिक ने बीबीसी से बातचीत में कहा कि स्वास्थ्य को अब एक उद्योग की तरह माना जा रहा है.

उन्होंने बताया कि ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सर्विसेज़ ने हाल में कुछ भारतीय अस्पतालों की पहचान की है जिनमें ब्रिटेन के स्तर का इलाज वहाँ की तुलना में कहीं सस्ता होता है.

एक अनुमान के अनुसार दिल की बीमारी के लिए होने वाले ऑपरेशन में जहाँ पश्चिमी देशों में 50,000 डॉलर देने होते हैं वहीं भारत में ये इलाज बस 10,000 डॉलर में हो जाता है.

अब एक ऐसे टूर पैकेज तैयार किए जा रहे हैं जिनमें आने-जाने और ठहरने से लेकर इलाज तक का ख़र्च एक ही साथ शामिल हो.

लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अभी ये स्पष्ट नहीं है कि इस सारी योजना से भारत की चिकित्सा व्यवस्था को कितना फ़ायदा होगा.

BBC HINDI 22.9.05

स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने पर ज़ोर

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री अंबुमणि रामदौस ने कहा है कि भारत में स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उनके मंत्रालय ने एक कार्यदल का गठन किया है.

विदेशी मरीज़ सस्ते इलाज के लिए बड़ी संख्या में भारत आने लगे हैं

उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब भारत को स्वास्थ्य पर्यटन के क्षेत्र में अन्य एशियाई देशों की चुनौती का मुक़ाबला करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए.

रामदौस ने कहा कि भारत को सिंगापुर और थाइलैंड जैसे देशों से सीखना चाहिए कि स्वास्थ्य पर्यटन को किस तरह बढ़ावा दिया जाए.

पश्चिमी देशों के मरीज़ बड़ी संख्या में भारत जैसे देशों का रूख़ कर रहे हैं जहाँ वे कम ख़र्च में अच्छा इलाज तो करा ही सकते हैं, साथ ही सैर-सपाटे का मज़ा भी ले सकते हैं, इसे स्वास्थ्य पर्यटन कहा जा रहा है.

भारतीय स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि उनका मंत्रालय भारत को एक इस क्षेत्र में प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में ठोस काम करना चाहता है इसीलिए यह कार्यदल गठित किया गया है.

उन्होंने कहा कि यह कार्यदल केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा अन्य संबद्ध विभागों को सुझाव देगा कि उन्हें इसके लिए कौन से क़दम उठाने चाहिए.

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उनका मंत्रालय पहले ही पर्यटन विभाग के साथ मिलकर विदेशी मरीज़ों को भारत आने के लिए आकर्षित करने की योजनाएँ बनाने में जुटा हुआ है.

विदेशी स्वास्थ्य पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधाओं का मानकीकरण और उनकी क़ीमतें तय करने का काम भी यह कार्यदल करेगा.

विशेष वीज़ा

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मेडिकल वीज़ा की एक नई श्रेणी शुरू की जा रही है जिसके ज़रिए इलाज के लिए भारत आना आसान हो जाएगा.

उन्होंने कहा कि भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों को इलाज के अलावा आरामदेह छुट्टियाँ बिताने की सुविधा और फिटनेस के आकर्षक पैकेज उपलब्ध कराए जाएँगे.

रामदौस ने कहा, "हमारी संस्कृति, हमारी धरोहर, हमारी स्थापत्य कला के साथ अगर कल्पनाशील स्वास्थ्य योजनाएँ जोड़ दी जाएँ तो काफ़ी सफलता मिल सकती है."

उन्होंने कहा कि पहले ही काफ़ी विदेशी पर्यटक इलाज के लिए भारत आने लगे हैं लेकिन ज़रूरत इस बात की है कि सुविधाओं का स्तर बेहतर और एकसमान किया जाए.

स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि इस क्षेत्र में सफलता के लिए ज़रूरी है जल्दी वीज़ा, आकर्षक पैकेज और अस्पतालों में अच्छी सुविधा का होना, इन सभी लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में कार्यदल की मदद ली जाएगी.

BBC HINDI

भारत में स्वास्थ्य पर्यटन का बढ़ता बाज़ार 7.12.06

पवन सिंह अतुल

बीबीसी संवाददाता

भारत में स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देश के प्रमुख अस्पताल समूह नए-नए तरीके अपना रहे हैं.

बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भारत में इलाज करवा रहे हैं

अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस और निजी टूयर ऑपरेटरों के साथ मिलकर अधिक से अधिक संख्या में मेडिकल टूरिस्ट या स्वास्थ्य पर्यटकों को भारत लाने की कोशिश की जा रही है.

फ़ोर्टीस हेल्थकेयर तो विदेशों में टूयर ऑपरेटरों से संपर्क साध रहा है.

फ़ोर्टीस हेल्थकेयर के निदेशक(मार्केटिंग) सुदर्शन मजुमदार कहते हैं, "हमारी रणनीति विदेशों में टयर ऑपरेटों और ट्रेवल एजेंटों के साथ संपर्क साधने की है, हम विभिन्न मुल्कों में ऑपरेटरों को चिन्हित कर रहे हैं."

देश का बड़ा अस्पताल समूह अपोलो भी कुछ ऐसा ही कर सकता है.

अपोलो अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. प्रताप रेड्डी कहते हैं, "कई लोग हमारे संपर्क में हैं, ख़ासकर खाड़ी के देशों से. निजी टूयर ऑपरेटर भी हम से बात कर रहे हैं, उन्हें हमें कुछ ख़ास सेवाएं देनी होगीं जो और कोई न दे रहा हो मसलन मरीज़ों के लिए विशेष सुविधाओं से लैस पूरा का पूरा जहाज़"

तो क्यूं हो रही है इस क्षेत्र में इतनी हलचल? ये एक निश्चित बाज़ार है, इसका आभास तो था लेकिन अब जो कुछ होने जा रहा है वो उम्मीद से कहीं बढ़ कर है.

बड़ा बाज़ार

इस साल भारत में अब तक दो लाख विदेशी इलाज करवा चुके हैं. इन मेहमान मरीज़ो से भारतीय निजी अस्पतालों ने 33 करोड़ डॉलर कमाए हैं.

मरीज़ों की ये संख्या 2005 के मुकाबले 35% ज़्यादा है और 2012 तक भारत अंतरराष्ट्रीय रोगियों से एक अरब डॉलर कमा सकता है.

वोकहाईट हॉस्पिट्लस के प्रबंधक निदेशक विशाल बाली कहते हैं, "वर्ष 2012 के लिए ये अंदाज़ा तो है लेकिन मुझे लगता है कि हम 2010 में ही इस आंकड़े को पार कर लेंगे."

तो क्यूं है इस क्षेत्र को इतनी बड़ी छलांग की आशा ?

फ़ोर्टीस के निदेशक(मार्केटिंग) सुदर्शन मजुमदार का कहना है कि भारत के डॉक्टरों के हुनर की पहले से ही तारीफ़ होती रही है. वो पर्याप्त संख्या में

पश्चिमी देशों में प्रेक्टिस करते आ रहे हैं और इसके चलते भारत आने वाले विदेशियों का भारतीय डॉक्टरों पर विश्वास है.

प्रतिस्पर्द्धा और अवसर

विश्व भर में कई देश स्वास्थ्य पर्यटन को एक उद्योग बनाने की कोशिश कर रहे हैं. सबसे तेज़ रफ़्तार से आगे बढ़ रहे हैं दक्षिण पूर्व एशिया के देश. स्वास्थ्य पर्यटन के मानचित्र पर निगाह दौड़ाएं तो दुनिया के इसी हिस्से का देश थाईलैंड चोटी पर है.

डॉक्टरों का मानना है कि भारत को दूसरे देशों से बेहतर सेवाएँ देनी होंगी

थाईलैंड के बुमरुनग्रैंड अस्पताल में हर साल लगभग तीन लाख अंतरराष्ट्रीय मरीज़ इलाज करवाते हैं.

इसके अलावा सिंगापुर, मलेशिया, जॉर्डन और दक्षिण अफ़्रीका से भी भारत को कड़ी टक्कर मिल रही है.

वॉकहाईट हॉस्पिटल्स के विशाल बाली के शब्दों में 'हिदुंस्तान एक ग्लोबल डाक्टर बन सकता है'.

वह मानते हैं कि आईटी में दुनिया भर में भारत ने जो नाम कमाया है वही अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा का केंद्र बन, स्वास्थ्य सेवाओं में भी कमा सकता है और इसके लिए अहम है कि भारत गुणवत्ता को और निखारें.

पश्चिमी देशों के अलावा भारत के बड़े अस्पताल समूह अफ़्रीकी महाद्वीप पर नज़रें गढ़ाए हुए हैं.

सुदर्शन मजुमदार मानते हैं कि भारत को अफ़्रीका पर भी निगाह रखनी चाहिए क्योंकि वहाँ काफ़ी बड़ी संख्या में मरीज़ यूरोप का रुख़ करते हैं और भारत उन्हें कहीं सस्ती सेवाएं दे सकता है.

चुनौतियां

विदेशों से मरीज़ कॉस्मेटिक और लाइफ़ एनहांसिंग सर्जरी के लिए आते हैं. वोकहाईट के विशाल बाली कहते हैं इनमें दूसरी श्रेणी ज़्यादा अहम है.

उनका कहना है," हम चाहते हैं हमारे पास लाइफ़ इनहांसिंग सर्जरी के मरीज़ आएँ, इसका फ़ायदा होता है, हृदय रोग वगैराह के इलाज के बाद जो मरीज़ वापस अपने देश जाते हैं तो उससे काफ़ी प्रसार होता है जिससे और अधिक मरीज़ भारत आते हैं."

स्वास्थ्य पर्यटन में अपार संभावनाएँ हैं लेकिन कुछ दिक्कते भी हैं. सबसे पहली दिक्कत वही है जिसका रोना लगभग हर उद्योग रोता है - अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुनियादी ढांचे का आभाव.

विदेशी मरीज़ो की परेशानियां हवाईअड्डे से ही शुरु हो जातीं हैं. भारत में हवाईअड्डों के टेरमेक पर एंबुलेंस नहीं जा सकतीं.

इसके अलावा साफ़-सफ़ाई का स्तर, हवाईअड्डों से अस्पताल तक का सफ़र और अन्य सब चीज़ों का काफ़ी असर पड़ता है मरीज़ों की सोच पर.

Liberté • Égalité • Fraternité
RÉPUBLIQUE FRANÇAISE

MINISTÈRE DES AFFAIRES ÉTRANGÈRES ET EUROPÉENNES

DIRECTION GENERALE DE L'ADMINISTRATION
ET DE LA MODERNISATION

DIRECTION DES RESSOURCES HUMAINES

Sous-direction de la Formation et des Concours

Bureau des concours et examens professionnels
RH4B

CONCOURS EXTERNE ET INTERNE POUR L'ACCES A L'EMPLOI DE SECRETAIRE DES AFFAIRES ETRANGERES (CADRE D'ORIENT) AU TITRE DE L'ANNEE 2012

EPREUVES ECRITES D'ADMISSIBILITE

8 septembre – 14 septembre 2011

HINDI

Durée totale de l'épreuve : 3 heures.
Coefficient : 2.
Toute note inférieure à 10 sur 20 est éliminatoire.
Barème de notation des 3 épreuves : QCM 4 points, fiche 10 points, note 6 points.

– NOTE EN HINDI –

*Rédaction en **hindi** d'une note (350 mots avec une tolérance de plus ou moins 10%) à partir de documents ou d'informations en hindi. – **Durée (note et fiche de synthèse) : 2 heures 30 minutes.***

Ce dossier comporte 5 pages (page de garde non comprise).

*
* *

SUJET : En vous inspirant uniquement des documents ci-joints, vous rédigerez une note en hindi sur les problèmes que rencontre le projet de loi visant à réserver 33% des sièges au parlement pour les femmes.

महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन संभव

रविवार, मार्च 2010 बीबीसी हिन्दी

एनसीपी नेता शरद पवार ने महिला आरक्षण विधेयक के मुखर विरोधी मुलायम, लालू और शरद यादव को मनाने की कोशिश की है.

उन्होंने पुणे में पत्रकारों को बताया कि इन तीनों नेताओं से विधेयक के मुद्दे पर उनकी बात हुई है.

शदर यादव के मुताबिक उन्होंने आरक्षण का विरोध कर रहे नेताओं को बताया है कि इसमें पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण की माँग पर सरकार विचार कर सकती है.

उनका कहना था, "हमारी तीनों यादव नेताओं से हुई है. मैंने उन्हें बताया है कि पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने के लिए विधेयक में संशोधन किया जा सकता है."

शरद यादव ने कहा कि विधेयक पर सर्वसम्मति बनाने के लिए आरक्षण की सीमा 33 फ़ीसदी से कम करने पर विचार हो सकता है.

एनसीपी नेता ने कहा कि विरोधियों को अपना पक्ष रखने का अधिकार है लेकिन उन्हें इस ऐतिहासिक विधेयक को पारित कराने में बाधक नहीं बनना चाहिए.

हमारी तीनों यादव नेताओं से हुई है. मैंने उन्हें बताया है कि पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने के लिए विधेयक में संशोधन किया जा सकता है.

उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी सदन में कह चुके हैं कि इस मसले पर सभी पक्षों को विश्वास में लिया जाएगा.

इस बीच समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव ने लखनऊ में कहा है कि इस विधेयक के पारित होने के बाद संसद में पुरुष सदस्यों की संख्या नगण्य रह जाएगी.

उन्होंने तर्क दिया कि विधेयक पारित होने के बाद पहले चुनाव में 33 फ़ीसदी सीटों पर महिलाओं काबिज होंगी और उसके अगले चुनाव में आरक्षित सीटों को बदला जाएगा लेकिन जीती हुई महिलाएँ अपनी पुरानी सीट से चुनाव लड़ेंगी, इस तरह तीन चुनावों के बाद संसद में महिला सदस्यों की संख्या 80 से 85 फ़ीसदी होगी

महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पारित

मंगलवार, मार्च 2010 बीबीसी, हिन्दी

भारत के ऊपरी सदन राज्यसभा में दो दिनों तक चले विरोध, शोर शराबे और हंगामे के बाद भारी बहुमत से महिला आरक्षण विधेयक पारित हो गया है. विधयेक के पक्ष में 186 सदस्यों ने वोट दिया जबकि विरोध में केवल एक ही मत पड़े.

बहुजन समाज पार्टी के सांसद इस विधेयक के मौजूदा स्वरुप का विरोध करते हुए मतदान के समय सदन से बाहर चले गए.

राज्य सभा के बाद इस विधेयक को लोकसभा और कम से कम राज्यों के 15 विधान सभाओं से पारित किया जाना है.

महिला आरक्षण विधेयक में महिलाओं के लिए संसद और राज्य विधान सभाओं की 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है. समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और बहुजन समाज पार्टी ने इस विधेयक का विरोध किया है.

इस विधेयक के मौजूदा स्वरुप में विरोध करने वालों का कहना है कि इसके पारित हो जाने से देश की दलित, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में कमी आएगी. उनकी मांग है कि महिला आरक्षण के भीतर ही दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की जाएं.

इस विधेयक को लेकर सोमवार और मंगलवार को राज्य सभा और लोक सभा की कार्यवाही अनके पार स्थगित करनी पड़ी. जहां सोमवार को इस विधेयक के विरोधियों ने राज्य सभा में सभापति के आसन से विधेयक की कॉपी को छिनने का प्रयास किया वहीं मंगलवार को भी उन सदस्यों ने अपना हंगामा जारी रखा तो सभापति ने एक प्रस्ताव के बाद उन्हें इस बजट सत्र से निलंबित कर दिया.

भारी विरोध और शोर शराबे के बाद इस विधेयक पर बहस की शुरुआत करते हुए राज्य सभा में विपक्ष के नेता अरुण जेटली ने कहा कि उनकी पार्टी विधेयक का समर्थन करती है लेकिन राज्य सभा में जो हुआ उससे देश शर्म सार है.

जबकि कांग्रेस पार्टि की वरिष्ठ नेता जयंती नटराजन ने बहस में भाग लेते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिला आरक्षण के पक्ष में थी.

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की नेता वृंदा करात के अनुसार इस विधेयक के पारित होने देश का लोकतंत्र और मज़बूत होगा. करात का कहना था कि उन्हें ये सुनकर बेहद दुख होता कि आरक्षण से महिलाओं के एक विशेष वर्ग को ही फ़ायदा होगा.

बहुजन समाज पार्टी के सतीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि महिलाओं को 50 फ़ीसदी आरक्षण मिलना चाहिए. उनके अनुसार आरक्षण विधेयक में कुछ कमियाँ जिन्हें दूर करना आवश्यक है.

जनता दल (युनाइटेड) के नेता शिवानंद तिवारी का कहना है कि वो चाहते हैं कि आरक्षण के बीच आरक्षण हो. उनका कहना था, "मुसलमानों के मन में ये आशंका है कि उन्हें उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है, उन्हें लगता है कि महिलाओं का आरक्षण होने से मुसलमान सांसदों की संख्या और कम हो जाएगी."

कम्युनिस्ट नेता डी राजा ने विधेयक के विरोधियों से आग्रह करूंगा कि वे विधयेक को पारित होने दें और बाक़ी मुद्दों को भी सुलझाया जा सकता है.

मुसलमानों के प्रतिनिधित्व का सवाल निर्दलीय सांसद मोहम्मद अदीब ने भी उठाया. उन्होंने प्रधानमंत्री को मुख़ातिब करते हुए कहा कि वो विधेयक पर कांग्रेस का समर्थन करते हैं लेकिन जानना चाहते हैं कि मुसलमान कब तक वोट मॉंगने की मशीन बनकर रहेगा.

इससे पहले महिला आरक्षण विधेयक का विरोध कर रहे नेता लालू यादव, मुलायम सिंह यादव और शरद यादव ने मंगलवार की सुबह प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिलकर मुस्लिम, दलित और पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए भी आरक्षण की मॉंग की थी.

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस, भाजपा और वामदलों ने विधयेक का समर्थन किया था और इस बारे में अपने सांसदों को व्हिप जारी किया था.

ग़ौर करने की बात है कि महिला विधेयक को लेकर विरोध पहली बार नहीं हुआ है. पिछले 13 वर्षों में जब कभी संसद में यह विधेयक आया है तो इसके विरोधियों रा.ज.द., स.पा. और ज.द. (यू) के सांसदों ने काफ़ी उग्र प्रदर्शन किया है और विधेयक की प्रतियां भी फाड़ी हैं.

महिला आरक्षण पर सहमति नहीं

सोमवार 5 अप्रैल, 2010 बीबीसी हिन्दी

महिला आरक्षण विधेयक पर सहमति की सरकार की कोशिशों को झटका लगा है. सोमवार को नई दिल्ली में इस मुद्दे पर हुए सर्वदलीय बैठक में कोई नतीजा नहीं निकला.

मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद यादव और शरद यादव अपनी पुरानी मांग पर अड़े रहे, जबकि केंद्र में कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने भी उनके सुर में सुर मिलाया.

दो घंटे तक चले विचार-विमर्श के बाद यह फ़ैसला हुआ कि इस मुद्दे पर अभी और विचार की आवश्यकता है. इससे अब ये भी अटकलें लगाई जाने लगी हैं क्या इस बजट सत्र में ये विधेयक लोकसभा में पेश होगा या नहीं.

छुट्टियों के बाद 15 अप्रैल से बजट सत्र फिर शुरू हो रहा है. तमाम विरोध के बावजूद कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यू.पी.ए.) की सरकार राज्यसभा से यह विधेयक पारित करा चुकी है.

सोमवार को हुई सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने की. इस बैठक में समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल (यूनाइटेड) जैसे विधेयक के विरोधी और भारतीय जनता पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और तेलुगूदेशम जैसी विधेयक की समर्थक पार्टियों ने भी हिस्सा लिया.

सरकार की ओर से इस बैठक में संसदीय कार्य मंत्री पवन कुमार बंसल, गृह मंत्री पी चिदंबरम, रक्षा मंत्री ए के एंटनी और क़ानून मंत्री वीरप्पा मोइली मौजूद थे.

बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री की ओर से एक संक्षिप्त बयान जारी हुआ है, जिसमें कहा गया है- विचार-विमर्श जारी रहेगा.

बैठक के बाद बाहर निकले राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने पत्रकारों से कहा, "महिलाओं के लिए किसी भी आरक्षण में मुसलमान, पिछड़ी और दलित महिलाओं को शामिल करना चाहिए." उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले पर अपने रुख़ से पीछे हटने का सवाल ही नहीं है.

बैठक में केंद्र सरकार में मंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने समाजवादी पार्टी, राजद और जनता दल (यू) नेताओं के सुर में सुर मिलाया और कहा कि मुसलमानों के हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए.

मायावती की बहुजन समाज पार्टी (ब.स.पा.) ने भी महिला आरक्षण विधेयक में आरक्षण के प्रावधान की मांग की.

इस मुद्दे पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता बासुदेव आचार्य ने कहा कि आरक्षण के अंदर आरक्षण की मांग पर सरकार को ऐसा प्रस्ताव लाना चाहिए, जिसमें बताया जाए कि ऐसा कैसे हो सकता है. उन्होंने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक़ चुनाव में अन्य पिछड़े वर्गों या मुसलमानों के लिए आरक्षण की बात नहीं है. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इसके विरोध में नहीं है और अगर इस संबंध में कोई प्रस्ताव आता है, तो उनकी पार्टी इस पर विचार के लिए तैयार है. हालाँकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी इस विधेयक को इसके मौजूदा स्वरूप में पारित कराने के पक्ष में है क्योंकि इसी रूप में यह राज्यसभा में पारित हो चुका है.

लोकसभा में विपक्ष की नेता और भा.ज.पा. की सांसद सुषमा स्वराज ने कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक पर सर्वसम्मति चाहती है और आरक्षण के अंदर आरक्षण की विरोधी है.

महिला बिल पर नहीं बनी सहमति

बुधवार 22 जून, 2011 सुशीला सिंह, बीबीसी संवाददाता, दिल्ली

महिला आरक्षण विधेयक पर आम सहमति बनाने की लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार की कोशिश फिर विफल हो गई है.

मीरा कुमार की अध्यक्षता में इस मुद्दे पर बुधवार को हुई सर्वदलीय बैठक बेनतिजा रही. महिला आरक्षण बिल के मौजूदा स्वरूप का विरोध कर रहे समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के नेताओं ने इस बैठक का बहिष्कार किया.

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मीरा कुमार ने बताया कि वो स.पा. और ब.स.पा. को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए अलग से आमंत्रित करेंगी. मीरा कुमार ने कहा, " महिला आरक्षण के मुद्दे पर बहुत दोस्ताना माहौल में चर्चा हुई. सभी इस बिल का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन जैसा कि पहले भी मैंने कहा था अभी भी इसके कुछ अंशों पर सहमति नहीं बन पाई है. मैं दोबारा बैठक बुलाउंगी और इस मुद्दे पर सहमति बनाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे."

दरअसल सरकार चाहती है कि वह इस बिल पर मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले आम राय बना ले. साल 2010 में राज्य सभा में दो दिन तक चले ड्रामा के बाद ये बिल पास कर दिया गया था लेकिन लोकसभा में अभी इस पर मोहर नहीं लगी है.

लोकसभा में इसे पारित किए जाने को लेकर अभी कुछ पार्टियां जैसे समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल अलग-अलग मांगें रख रहे है.

समाजवादी पार्टी के सांसद मोहन सिंह ने कहा, "हम चाहते है कि आरक्षण के अंदर ही आरक्षण दिया जाए. ख़ासतौर पर अल्पसंख्यक, अति दलित और पिछड़ी महिलाओं को आरक्षण दिया जाए." मोहन सिंह का कहना था कि एक और विकल्प राजनीतिक पार्टियों के महिलाओं को पार्टी के अंदर 20 फीसदी आरक्षण देने का हो सकता है. ऐसे में जो इसका पालन नहीं करेंगे उन पार्टियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाए.

राजद सांसद रघुवंश प्रसाद सिंह ने कहा कि आरक्षण में 'कोटे के भीतर कोटा' होना चाहिए और अन्य पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए उसमें 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित होनी चाहिए.

लोकसभा में विपक्ष की नेता सुषमा स्वाराज का कहना है कि हमने राज्यसभा में भी इस बिल का समर्थन किया था और लोकसभा में भी इसे समर्थन देने की मंशा रखते है. अपनी बात रखते हुए उन्होंने ये भी कहा कि पिछली बार जब राज्यसभा में ये बिल पारित हुआ था तब मार्शल की मदद से सांसदों को बाहर निकाला गया और फिर मतदान हुआ. ऐसी परिस्थिति लोकसभा में नहीं आनी चाहिए.

सुषमा स्वाराज ने कहा, "जो पार्टियां इस बिल का विरोध कर रही है उनके नेताओं से अलग से बात अध्यक्ष को करनी चाहिए ताकि वह अपना विरोध जता सकें." उन्होंने कहा कि अगर कुछ नेता संसद में ज़्यादा समय लेकर बोलना चाहते हैं तो समय दिया जाए.

महिला आरक्षण विधेयक पिछले 14 साल से अधर में लटका हुआ है. इस बिल का मसौदा पहली बार एचडी देवगोड़ा की सरकार के दौरान तैयार किया गया था और इसे वर्ष 1996 के सितंबर महीने में संसद में पेश किया गया था.